रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40] नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 12, 2001/माघ 23, 1922
No. 40] NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 12, 2001/MAGHA 23, 1922

CENTRAL SECRETARIAT LIBRARY

गृह मंत्रालय
अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2001

निधन सूचना

सं. 3/1/2001-पब्लिक.—श्रीमती विजया राजे सिंधिया का 25 जनवरी, 2001 को इन्द्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली में निधन हो गया। श्रीमती विजया राजे सिंधिया के निधन से देश ने एक सुयोग्य एवं अनुभवी संसदविज्ञ तथा समर्पित सामाजिक कार्यकर्त्ता खो दिया है।

2. उनका जन्म 12 अक्टूबर, 1919 को सागर (मध्य प्रदेश) में हुआ था। उन्होंने वसन्त कालेज, बनारस तथा इसबेला थाबर्न कालेज, लखनऊ में शिक्षा प्राप्त की।

3. जीवन में प्रारंभ से ही वे देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थीं। ग्वालियर के महाराजा श्री जीवाजीराव सिंधिया के साथ 1941 में उनका विवाह हुआ था। ग्वालियर की जनता के साथ प्रतिबद्ध रहने के कारण वे 1957 में सफलतापूर्वक लोक सभा का चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित हुईं। वहां की जनता ने भी उनकी प्रतिबद्धता को सराहते हुए प्रतिदान स्वरूप उन्हें दूसरी, तीसरी, चौथी, पांचवीं, नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं लोक सभा का सदस्य चुनकर भेजा।

4. श्रीमती विजया राजे सिंधिया ने समाज-सेवा तथा महिला एवं बाल शिक्षा के संवर्द्धन में गहरी रुचि दिखाई। संगीत और कला में अपनी रुचि और सहभागिता से उन्होंने भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाई। वे चार दशकों से भी अधिक समय तक आल इंडिया वूमेंस कान्फ्रेन्स (ग्वालियर शाखा) की अध्यक्षा रहीं।

5. श्रीमती विजया राजे सिंधिया अपने पीछे एक पुत्र और तीन पुत्रियां छोड़ गई।

कमल पाण्डे, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February, 2001

OBITUARY

No. 3/1/2001-Public.—Smt. Vijaya Raje Scindia passed away on the 25th January, 2001 at Indraprastha Appollo Hospital, New Delhi. The death of Smt. Vijaya Raje Scindia has deprived the country of an able and seasoned parliamentarian and a devoted social worker.

2. Born at Sagar (Madhya Pradesh) on 12th October, 1919, she received her education at Vasantha College, Banaras and Isabella Thoburn College, Lucknow.

3. Even during the formative years of her life, she was moved by patriotic fervour. She married Shri Jivajirao Scindia, the Maharaja of Gwalior, in 1941. Her commitment to the people of Gwalior impelled her to successfully contest the Lok Sabha elections in 1957. The people also reciprocated the commitment in good measure by electing her to the second, third, fourth, fifth, ninth, tenth, eleventh and twelfth Lok Sabhas.

4. Smt. Vijaya Raje Scindia took keen interest in social service and promotion of education for women and children. She was instrumental in promoting Indian culture through her interest and participation in music and art. She was President of the All India Women's Conference (Gwalior Branch) for more than four decades.

5. Smt. Vijaya Raje Scindia is survived by a son and three daughters.

KAMAL PANDE, Secy.

426 GI/2001

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.